राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 81

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, शुक्रवार, 30 अगस्त 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

ओलंपिक और कॉमनवेल्थ गेम्स क्रिकेट से बड़े : सहवाग

>>14

सरोकार

कुल्हार को लाखों गैलन पानी का वरदान दे गई रेलवे लाइन

विदिशा : रेलवे को तीसरी रेल लाइन बिछाने के लिए मुरुम (बजरी) की जरूरत थी और ग्रामीणों को खेती के लिए पानी की। एक तरकीब ने दोनों की जरूरतों को पूरा कर दिया। यह सफल प्रयोग विदिशा, मप्र के छोटे से गांव कुल्हार में हुआ। (पेज-10)

जागरण विशेष

पैसों के पीछे भागते कोचिंग सेंटर्स को दिखा रहे आईना

जेएनएन : बिहार के भागलपुर और उत्तर प्रदेश के हमीरपुर से ऐसे दो शिक्षकों की कहानी, जो बिना कोई फीस लिए युवाओं का भविष्य गढ़ रहे हैं। इनके मार्गदर्शन में अनेक युवा प्रतियोगी परीक्षाओं में बाजी मार कर बड़े अफसर बने हैं। यह सिलसिला सालों से चल रहा है। (पेज-10)

विश्वास News

फलस्तीन की तस्वीर कश्मीर के नाम से वायरल ?

विश्वास न्यूज की पड़ताल • पेज 10

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 4

हुड्डा की मुश्किलें बढ़ीं, ईडी ने अटैच किए 14 औद्योगिक प्लॉट

चंडीगढ़ : हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पंचकूला के औद्योगिक प्लॉट आवंटन मामले में उन सभी 14 प्लॉटों को अटैच कर दिया है, जिन्हें हुड्डा ने अपने संबंधियों, जान पहचान के लोगों को आवंटित किया था।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 6

रूस से 21 मिग-29 और 12 सुखोई-30 खरीदने की योजना

नई दिल्ली : भारतीय वायु सेना 33 और नए लड़ाकू विमान खरीदने की योजना बना रही है। इनमें 21 मिग-29 और 12 सुखोई-30 एमकेआइ विमान शामिल हैं। वायु सेना के इस प्रस्ताव पर अगले कुछ हफ्तों में रक्षा मंत्रालय की उच्च स्तरीय बैठक में विचार किया जाएगा। विभिन्न दुर्घटनाओं के चलते वायु सेना के पास लड़ाकू विमानों की संख्या कम हुई है। इस कमी को दूर करने की तैयारी है।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 13

चीन ने हांगकांग में आंदोलन दबाने के लिए भेजी सेना

हांगकांग, रायटर : हांगकांग में पूर्ण लोकतंत्र की मांग को लेकर आंदोलनकारियों की 'लांग मार्च' की योजना के दृष्टिगत चीन ने सेना को सक्रिय कर दिया है। आठ से दस हजार सैनिकों को चीन से हांगकांग भेजा गया है, जो जरूरत पड़ने पर कार्रवाई के लिए बिना देरी के हरकत में आ जाएं। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने साफ कर दिया है कि सेना हांगकांग में कानून व्यवस्था नहीं बिगड़ने देगी और वहां की संपन्नता को बरकरार रखेगी।

क्रेडिबिलिटी चुनौती
टेस्ट सीरीज
वेस्टइंडीज vs भारत
शाम 8:00 बजे से
स्थान : किंग्सटन
प्रसारण : सोनी नेटवर्क

सरकार चाहती है लेस-कैश, लेकिन 17 फीसद बढ़ गया नकदी का चलन

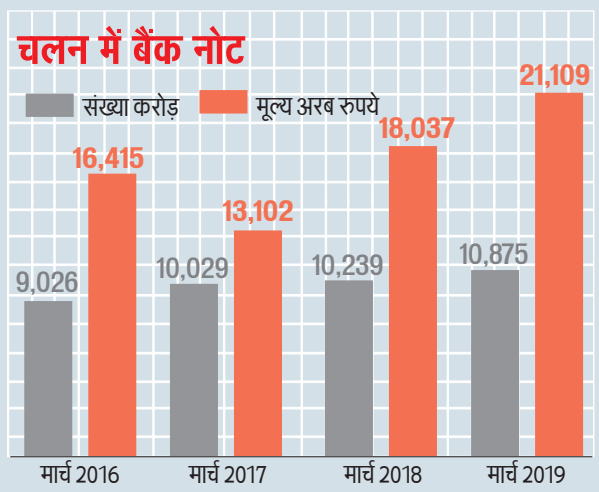

खूब बढ़े नकली नोट

आरबीआइ की रिपोर्ट से पता चलता है कि बैंकिंग तंत्र में पकड़े गए 500 रुपये और 2,000 रुपये के नकली नोटों की संख्या में भी भारी वृद्धि हुई है। वर्ष 2018-19 में 500 रुपये के 21,865 नकली नोट पकड़े गए, जबकि 2017-18 में यह संख्या 9,892 थी। 2,000 रुपये के नकली नोट की संख्या भी लगभग 22 परसेंट बढ़ी है। वर्ष 2017-18 में 2,000 रुपये के 17,929 नकली नोट पकड़े गए थे जबकि 2018-19 में यह आंकड़ा बढ़कर 21,847 हो गया है।

500 के नोटों के चलन में बढ़त आ गई है, 2000 के नोटों के इस्तेमाल में आई कमी

2000 रुपये के नए नोट की छपाई में रिजर्व बैंक ने कर दी है भारी कटौती

हरिकिशन शर्मा, नई दिल्ली

सरकार ने इकोनॉमी को लेस-कैश बनाने के इरादे से नोटबंदी की थी, लेकिन नकदी का चलन घटने के बजाय काफी बढ़ गया है। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि मार्च 2019 के अंत में चलन में बैंक नोटों का मूल्य बढ़कर 21 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है, जो नोटबंदी के ठीक बाद मार्च 2017 में 13 लाख करोड़ रुपये से कुछ ही ज्यादा था। इस तरह, महज दो वर्षों में चलन में आए बैंक नोटों का मूल्य 61 परसेंट बढ़ा है। करेंसी नोट को जल्द खराब होने से रोकने के लिए रिजर्व बैंक परीक्षण के तौर पर 100 रुपये के वार्निश्ड बैंक नोट शुरू करने जा रहा है।

रिजर्व बैंक ने बुधवार अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2018-19 जारी की, जिसमें चलन में करेंसी नोट का ब्योरा दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार मार्च, 2018 के अंत में चलन में बैंक नोटों का कुल मूल्य 18.03 लाख करोड़ रुपये था जो 17.0 परसेंट बढ़कर मार्च, 2019 के अंत में 21.1 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

ज्ञात हो, मोदी सरकार ने आठ नवंबर, 2016 को नोटबंदी का फैसला करते हुए 500 रुपये और 1000 रुपये के पुराने नोटों को बंद करने और 500 रुपये तथा दो हजार रुपये के नए नोट जारी करने का फैसला किया था। सरकार ने यह फैसला अर्थव्यवस्था को लेस-कैश बनाने यानी रोजमर्रा की जरूरतों में नोटों का चलन कम करने के इरादे से किया था। नोटबंदी के तत्काल बाद इसमें कमी भी आई और चलन में बैंक नोट का मूल्य घटकर मार्च 2017 के अंत में 13.1 लाख करोड़ रुपये रह गया, लेकिन उसके बाद इसमें तेजी से वृद्धि हुई है।आरबीआइ की रिपोर्ट के मुताबिक मार्च, 2019 के अंत में चलन में बैंक नोटों का जो मूल्य है उसमें 2,000 रुपये के नोट ही हिस्सेदारी घटकर 31.1 परसेंट रह गई है, जबकि मार्च 2018 के अंत में यह 37.3 परसेंट और मार्च 2017 के अंत में 50.2 परसेंट थी। वर्ष 2016-17 में रिजर्व बैंक ने 2,000 रुपये के 350 करोड़ (संख्या) नए नोट छपवाए थे। जबकि वित्त वर्ष 2017-18 में यह आंकड़ा घटकर 15.1 करोड़ और 2018-19 में मात्र 4.7 करोड़ रह गया है। हालांकि 500 रुपये के नये नोट की छपाई बढ़ाई गई है। वर्ष 2016-17 में रिजर्व बैंक ने 500 रुपये के 726 करोड़ नए नोट छपवाए थे, जबकि 2017-18 में यह आंकड़ा बढ़कर 969 करोड़ और 2018-19 में 1,146 करोड़ पहुंच गया।

ढंग का पड़ोसी बने पाकिस्तान : भारत

नसीहत ▶ गैरजिम्मेदार बयानों से माहौल खराब करने की कोशिश बंद करे इमरान सरकार

रवीश कुमार बोले, पाक की चाल दुनिया समझ चुकी, भारत में हिंसा भड़काने की कर रहा कोशिश

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार। फाइल

नई दिल्ली, प्रेट्र : जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद से गैरजिम्मेदाराना व भड़काऊ बयान देने वाले पाकिस्तान को भारत ने ढंग का पड़ोसी बनने की नसीहत दी है। भारत ने उम्मीद जताई है कि वह भारत में हिंसा भड़काना, आतंकवाद फैलाना और घुसपैठ कराना बंद करके सामान्य पड़ोसी जैसा व्यवहार करेगा। भारत ने कहा कि उसने जो हालात दिखाने की कोशिश की है, वे जमीनी हकीकत से बहुत दूर हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने पत्रकारों से कहा, 'हम भारत के अंदरूनी मामलों के बारे में पाक नेतृत्व के अति गैरजिम्मेदाराना बयानों की कड़ी भर्त्सना करते हैं। ऐसे भड़काऊ बयान आ रहे हैं जिसमें भारत में हिंसा को उकसाना और जिहाद का आह्वान करना शामिल है।' जम्मू-कश्मीर को लेकर पाक से आने वाले बयानों के संदर्भ में उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से 40-50 बयान आ गए हैं। ये ऐसे बयान हैं जो बेहद गैरजिम्मेदाराना हैं। इनका मकसद क्षेत्र में गंभीर स्थिति का माहौल पेश करना है। वे (पाकिस्तानी नेतृत्व) मामले को तूल देना चाहते हैं ताकि दुनिया को लगे कि कुछ हो रहा है, लेकिन वास्तव में स्थिति अलग है, ऐसा कुछ हो ही नहीं रहा है। उनकी (पाकिस्तान) ओर से जो भी कहा जा रहा है, वह झूठ और मनगढ़ंत है। पाक को समझना चाहिए कि दुनिया उसके झूठ को छल को जान चुकी है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद को सरकारी नीति के हिस्से के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। हमने इस बारे में अपनी चिंताओं से अवगत कराया है। हमें खबर मिली है कि पाक आतंकियों की घुसपैठ कराने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा,पाकिस्तान आतंकवादियों पर ठोस कार्रवाई करे ताकि वे दोबारा घुसपैठ नहीं कर सकें। आतंकवाद को जड़ से समाप्त करना पाकिस्तान का दायित्व भी है। रवीश कुमार ने कहा, 'हम चाहते हैं कि पाक आतंकवादियों की घुसपैठ न कराए बल्कि सामान्य पड़ोसी की तरह व्यवहार करे। सामान्य पड़ोसी ऐसा व्यवहार नहीं करते जैसा कि पाकिस्तान कर रहा है।' उन्होंने बताया कि पाकिस्तान ने परमाणु क्षमता संपन्न सतह से सतह तक मार करने वाली 'गजनवी' मिसाइल के परीक्षण के बारे में भारत को स्थापित चलन के अनुरूप सूचित किया था।

जम्मू-कश्मीर की स्थिति का जिक्र करते हुए रवीश कुमार ने कहा कि अगर आप पांच अगस्त के बाद से अभी की स्थिति को देखें तो इसमें निरंतर सकारात्मक सुधार हुआ है। उस क्षेत्र की तुलना देश के अन्य हिस्सों से न करें। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल की ओर से राज्य में सरकारी विभागों में 50 हजार रिक्तियां भरने सहित सेब के उत्पादन के संबंध में न्यूनतम समर्थन मूल्य, ब्लॉक विकास परिषद के चुनाव अक्टूबर में पूरा करने सहित अन्य घोषणाओं का जिक्र किया।

पाकिस्तान की ओर से एयर स्पेस बंद करने की खबर के संबंध में प्रवक्ता रवीश कुमार ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से इस बारे में आधिकारिक बयान नहीं आया है जिससे इसकी पुष्टि होती हो। साथ ही उन्होंने कहा कि भारत दक्षिण चीन सागर में नौवहन की स्वतंत्रता एवं अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन का पक्षधर है।

भारत में मानवाधिकार से जुड़े विषयों के बारे में कुछ अंतरराष्ट्रीय संगठनों की चिंता पर रवीश कुमार ने कहा कि भारत इन अपुष्ट बयानों को पूरी तरह खारिज करता है। ये तथ्यों पर आधारित नहीं हैं। एक सवाल के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा यूएनएचआरसी को लिखे पत्र को भारत महत्व नहीं देना चाहता।

आज कश्मीरियों के प्रति एकजुटता का ढोंग करेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एएनआइ : पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने गुरुवार को कहा कि उनका देश अनुच्छेद 370 हटाने के भारत के एकपक्षीय फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेगा और कश्मीर भाइयों के प्रति एकजुटता प्रदर्शित करेगा। कश्मीर पर एक संसदीय समिति को संबोधित करते हुए कुरैशी ने कहा कि संसद की सलाह पर ये विरोध प्रदर्शन हर शुक्रवार को 12 बजे पूरे पाकिस्तान में किए जाएंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री इमरान खान ने टीवी के जरिये राष्ट्र के नाम संबोधन में इसकी घोषणा की थी।

आइबी का अलर्ट, समुद्र के रास्ते पाक कर सकता है नापाक हरकत पेज>>5

सोने ने 40 हजार का आसमान छुआ, चांदी 49 हजार के पार

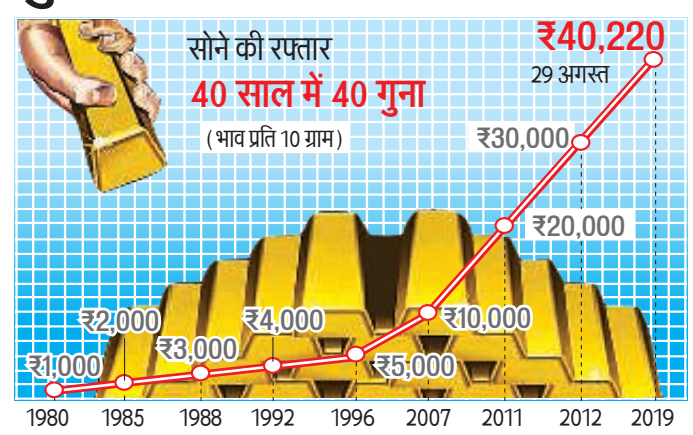

नई दिल्ली, प्रेट्र : पिछले कुछ सत्रों से 40,000 रुपये के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार करने की सोने की कोशिश आखिरकार गुरुवार को रंग लाई। दिन के कारोबार में सोना पहली बार 40,220 रुपये प्रति 10 ग्राम की नई ऊंचाई पर बंद होने में कामयाब रहा। चांदी के भाव में भी गुरुवार को 200 रुपये का उछाल आया और वह 49,000 रुपये प्रति किलोग्राम से 50 रुपये ऊपर बंद हुई। इसी सप्ताह सोमवार को सोना एक बार 40 हजार के ऊपर गया था। लेकिन उस दिन बाजार बंद होते समय यह 39,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ। नई दिल्ली में 99.9 फीसद खरा सोना 40,220 रुपये, जबकि 99.5 फीसद खरा सोना 40,050 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। आठ ग्राम सोने की गिन्नी का भाव भी 400 रुपये के उछाल के साथ 30,200 रुपये पर जा पहुंचा। चांदी के सिक्कों का भाव प्रति सैकड़ा 3,000 रुपये चढ़कर पहली बार 1.01 लाख रुपये खरीद और 1.02 लाख रुपये बिक्री के स्तर पर जा पहुंचा।

इसलिए आई तेजी

- आगामी त्योहारी सीजन से पहले कारोबारी जमकर खरीद रहे सोना
- न्यूयॉर्क समेत प्रमुख विदेशी बाजारों में सोने और चांदी के भाव में तेजी

पटना हाई कोर्ट के न्यायाधीश की टिप्पणी पर भर्त्सना के लिए बैठी 11 जजों की विशेष बेंच

राज्य ब्यूरो, पटना

- न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर टिप्पणी करने वाले जस्टिस राकेश कुमार को हाई कोर्ट की सिंगल बेंच से हटाया गया
- जस्टिस राकेश की टिप्पणी पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा, यह न्यायपालिका के लिए सबसे अंधेरा दिन

पटना हाई कोर्ट के न्यायाधीश राकेश कुमार की न्यायपालिका के बारे में की गई टिप्पणी ने न्यायपालिका को हिलाकर रख दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्य न्यायाधीश एपी शाही की अध्यक्षता में ग्यारह जजों की विशेष बेंच बैठी, जिसने गुरुवार को कहा कि भारतीय न्यायपालिका के लिए आज सबसे अंधेरा दिन है। बेहद दुखी मन से एक साथ 11 जजों को जस्टिस राकेश कुमार के फैसले की भर्त्सना करनी पड़ रही है।

बता दें कि बुधवार को जस्टिस राकेश कुमार ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा था-'भ्रष्टाचारियों को न्यायपालिका से भी संरक्षण मिलता है।' जबसे न्यायाधीश पद की शपथ ली है, तब से देख रहा हूं कि सीनियर जज भी मुख्य न्यायाधीश के आगे पीछे घूमते हैं। ताकि उनसे 'फेवर' लिया जा सके।' उनकी इस टिप्पणी पर गुरुवार को पटना हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने कहा, 'ऐसा लगता है कि पूरे देश में वही सबसे ईमानदार जज हैं। संभव है कि वह व्यक्तिगत कारणों से क्षुब्ध हों, जिस कारण उन्होंने पूरी न्यायपालिका की गरिमा पर सवाल खड़ा कर दिया। यह बेहद आश्चर्यजनक बात है कि जो मुकदमा एक साल पहले निष्पादित कर दिया गया था, उसे क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर उन्होंने अपनी अदालत में सूचीबद्ध करा लिया। वह ऐसा नहीं कर सकते थे।'

मुकदमे की सुनवाई से रोका गया राकेश कुमार को : इसके पूर्व बुधवार देर रात हाई कोर्ट प्रशासन ने नोटिस जारी कर जस्टिस कुमार केनाम को सिंगल जज के रूप में सूचीबद्ध मामलों पर सुनवाई करने से मना कर दिया। उन्हें डिवीजन बेंच में केस की सुनवाई करने को कहा गया था। गुरुवार को जस्टिस राकेश पूरे दिन चैंबर में बैठे रहे। मुख्य न्यायाधीश ने हाई कोर्ट रजिस्ट्री को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा कि किस क्षेत्राधिकार से निष्पादित मामले को एकल पीठ की सूची में लाया गया।

> अगर भ्रष्टाचार को उजागर करना अपराध है तो मैंने यह अपराध किया है। मैं अपनी बात पर कायम हूं। मैंने न्यायपालिका को बचाने के लिए जो भी किया है उसके लिए मुझे पछतावा नहीं है। मुझे जो सही लगा मैंने वही किया। किसी भी स्थिति में भ्रष्टाचार से समझौता नहीं कर सकता। अगर मुख्य न्यायाधीश को लगता है कि वह मुझे न्यायिक कार्य से अलग रख कर खुश हैं तो मुझे इस पर कोई आपत्ति नहीं है। मैंने किसी के प्रति दुर्भावना से ग्रसित होकर कार्य नहीं किया है।
>
> – जस्टिस राकेश कुमार, पटना हाई कोर्ट

आदेश को किया निलंबित पेज>>6

रिश्वत नहीं मिली तो बिहार में नहर परियोजना के चीफ इंजीनियर ने ठेकेदार को जिंदा फूंका

जागरण संवाददाता, गोपालगंज

- 60 लाख रुपये भुगतान के लिए 15 लाख घूस मांग रहा था इंजीनियर
- गोपालगंज जिले में गंडक नहर परियोजना के कार्यालय क्षेत्र में हुई वारदात

रिश्वतखोरों के हौसले किस कदर बुलंद है, इसकी बानगी गुरुवार को बिहार के गोपालगंज में देखने को मिली। यहां चीफ इंजीनियर (मुख्य अभियंता) ने ठेकेदार को सिर्फ इसलिए जला दिया कि उसे 15 लाख रुपये की रिश्वत नहीं मिली। और यह सब हुआ मुख्य अभियंता के आवास पर। ठेकेदार को जलाकर अभियंता अपने आवास पर ताला लगा फरार हो गया। उधर इलाज के दौरान ठेकेदार की गोरखपुर के अस्पताल में मौत हो गई। ठेकेदार के पुत्र राणा सिंह ने आरोप लगाया है कि 60 लाख रुपये के भुगतान के लिए मुख्य अभियंता 15 लाख रुपये की रिश्वत मांग रहा था। नहीं देने पर जला दिया गया। जिस मुख्य इंजीनियर ने ठेकेदार को जलाया है, वह गंडक नहर परियोजना से जुड़ा है। घटना को गोपालगंज में गंडक परियोजना के कैंपस में ही अंजाम दिया गया।

झुलस गए ठेकेदार की चीख सुनकर आवास के बाहर खड़े उनके करीबी लोगों ने उन्हें गोपालगंज सदर अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने उन्हें गोरखपुर रेफर कर दिया।

चीफ इंजीनियर के सरकारी आवास पर जांच पड़ताल करने पहुंची पुलिस टीम। जागरण

गोरखपुर ले जाने के कुछ देर बाद इलाज के दौरान ठेकेदार की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस व प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने मुख्य अभियंता के आवास के ड्राइंग रूम से एक खाली गैलन बरामद किया है। आशंका है कि इसी में करोसिन पदार्थ रखा गया था।

भुगतान के लिए चक्कर लगा रहा था ठेकेदार : परिजनों का कहना है कि भवन निर्माण के ठेकेदार रामाशंकर सिंह ने गंडक परियोजना परिसर में 2.25 करोड़ की लागत से एक भवन का निर्माण कराया है। इनका 60 लाख रुपया भुगतान बकाया था। भुगतान के लिए सिंह लंबे समय से गंडक परियोजना के मुख्य अभियंता मुरलीधर राम के कार्यालय तथा आवास का चक्कर लगा रहे थे। गुरुवार दोपहर ठेकेदार रामाशंकर सिंह अपने कुछ करीबी के साथ भुगतान कराने के सिलसिले में मुख्य अभियंता के आवास पर उनसे मिलने गए थे। भुगतान को लेकर ठेकेदार का मुख्य अभियंता के साथ बहस हो गई। इसके बाद ठेकेदार के शरीर पर केरोसिन डालकर आग लगा दी गई।

वाराणसी में भी ठेकेदार ने कर ली थी आत्महत्या : बुधवार को उप्र के वाराणसी में भी ऐसा ही एक मामला सामने आया था। वहां कमीशनखोरी के कारण बिल भुगतान में हो रही देरी के चलते आर्थिक तंगी व मानसिक तनाव झेल रहे ठेकेदार अवधेश श्रीवास्तव ने बुधवार को लोक निर्माण विभाग में मुख्य अभियंता (चीफ इंजीनियर) के केबिन में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी।

'फिट इंडिया मूवमेंट'

राष्ट्रीय खेल दिवस पर मोदी ने लांच किया फिट इंडिया मूवमेंट, स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ परिवार, स्वस्थ समाज को नए भारत को श्रेष्ठ भारत बनाने का रास्ता बताया

पीएम के 'मन की बात', मैं फिट तो इंडिया फिट

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

स्वच्छ भारत अभियान के जरिये जन-जन में स्वच्छता की अलख जगाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब स्वस्थ भारत का बीड़ा उठाया है। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के मौके पर मोदी ने 'फिट इंडिया मूवमेंट' की शुरुआत की। इंदिरा गांधी स्टेडियम में जुटे लोगों को फिटनेस के लिए प्रेरित करते समय मोदी में देश के प्रधानमंत्री नहीं बल्कि जनता के अभिभावक की झलक दिख रही थी। उन्होंने देश के लोगों को अपना फिटनेस मंत्र देते हुए कहा, 'मैं फिट तो इंडिया फिट'।

मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन को 'राष्ट्रीय खेल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर मोदी ने कहा, 'आज का दिन युवा खिलाड़ियों को बधाई देने का दिन है जो दुनिया के मंच पर तिरंगे का परचम लहरा रहे हैं। बैडमिंटन हो, टेनिस, एथलेटिक्स या कुश्ती हो, भारतीय खिलाड़ियों का पदक उनकी तपस्या का परिणाम है, साथ ही इसमें नए भारत के नए जोश और नए आत्मविश्वास की झलक है।' इसके बाद फिटनेस की चर्चा करते हुए मोदी ने उन वास्तविकताओं को छुआ, जिनसे हर युवा का सामना होता है। साथ ही ऐसे उदाहरण भी सामने रखे जो बड़ी उम्र के लोगों के अनुभवों का हिस्सा रहे हैं। मोदी ने कहा कि हमें सिखाया जाता था कि स्वास्थ्य से ही सब प्राप्त होता है। अब कहा जाने लगा है कि स्वार्थ से ही सब मिलता है। इस स्वार्थभाव से स्वास्थ्यभाव तक की यात्रा पर बढ़ने की जरूरत है। फिटनेस को व्यक्तिगत के साथ-साथ परिवार और देश की सफलता का मानक बनाना होगा।

नई दिल्ली में गुरुवार को फिट इंडिया मूवमेंट की शुरुआत के मौके पर फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के अभिवादन का जवाब देते प्रधानमंत्री मोदी। प्रेट्र

हंसते-हंसाते सिखाए गुर : आधे घंटे के भाषण में लोग हंसते भी रहे और बहुत कुछ सीखते भी रहे। मोदी ने गुजरात के व्यंग्यकार ज्योतींद्र भाई दवे का किस्सा भी सुनाया। मोदी बोले, 'दवे जी बहुत पतले थे। उन्हें किसी ने व्यायाम की सलाह दी और कहा कि कम से कम पसीना आने तक जरूर व्यायाम करना। दवे जी जैसे ही व्यायामशाला में गए, वहां लोगों को कुश्ती लड़ता देख उन्हें पसीना आ गया और उन्होंने सोचा कि व्यायाम पूरा हुआ।' इस किस्से को सुनते ही सभागार हंसी से गूंज उठा। मोदी ने 'बॉडी फिट तो माइंड हिट', 'जीरो इनवेस्टमेंट, 100 परसेंट रिटर्न' जैसे वाक्यों का प्रयोग करते हुए कहा, हर क्षेत्र से जुड़े लोगों को इसे जीवन का हिस्सा बनाने की जरूरत है। आज इस अभियान की जरूरत इसीलिए पड़ रही है, क्योंकि समाज तेजी से बदला है। कुछ दशक पहले व्यक्ति सामान्य स्थिति में भी दिन में आठ से 10 किमी तक पैदल चल लेता था। आज हाथ में गैजेट पहनकर लोगों को अपने कदम गिनने पड़ रहे हैं। कई देश अपने यहां लोगों को फिट रखने का लक्ष्य तय कर रहे हैं। भारत में भी इसे जन अभियान बनाना होगा।

कश्मीर में मस्जिदों से हुआ एलान- बाहरी को न दें मकान और दुकान

नवीन नवाज, श्रीनगर

- गैर कश्मीरियों को निशाना बनाने की साजिश, अपना एजेंडा विफल होता देख आतंकी संगठनों का नया पैंतरा

जिहादी और अलगाववादी एजेंडे को नाकाम होते देख हताश राष्ट्र विरोधी तत्वों ने अब वादी में गैर कश्मीरी नागरिकों के खिलाफ जहर उगलना शुरू कर दिया है। कई जगह मस्जिदों में किसी बाहरी व्यक्ति को मकान-दुकान किराए पर न देने का फरमान जारी किया गया है। कुछ आतंकी भी मस्जिदों में यह फरमान सुनाने पहुंचे हैं। इन फतवों से प्रशासन के लिए नई चुनौती पैदा हो गई है। वहीं, वादी में बचे हुए गैर कश्मीरी भी सहमे हुए हैं।

आतंकियों ने दुष्प्रचार के लिए लगाए पोस्टर : 370 खत्म होने के बाद कई जगह बाहरी लोगों को कथित तौर धमकाने और मारपीट के मामले भी सामने आए। दुष्प्रचार किया जा रहा है कि बाहरी लोगों को बसाकर हमारी रिवायतों और मजहब को कमजोर करने की साजिश चल रही है। इसलिए कोई किसी बाहरी को मकान या दुकान किराये पर न दे, न ही किसी बाहरी को जमीन या मकान बेचेगा। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम और पुलवामा में आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन ने इस तरह के पोस्टर लगाकर जहर फैलाने की साजिश रची है।

एक अनुमान के अनुसार, 5 अगस्त से पूर्व घाटी में देश के अन्य भागों से आए करीब साढ़े पांच लाख लोग काम कर रहे थे। इनमें से अधिकांश हलवाई, नाई, पलंबर, राज मिस्त्री, ठेलों में सब्जियां और अन्य सामान बेचने का धंधा करते थे। राज्य के पुनर्गठन के फैसले से पूर्व प्रशासन ने कानून व्यवस्था का हवाला देते हुए इन लोगों को घाटी छोड़ने की नसीहत दी थी। इसके बाद अब वादी में बाहरी राज्यों के एक हजार से भी कम श्रमिक हैं। शेष केंद्रीय कर्मी, सुरक्षाबल या फिर विभिन्न संस्थानों के कर्मी हैं।

दिखने लगा दुष्प्रचार का असर पेज>>5